विषय–सूची

	भूमिका	*v*
1.	दलित अवधारणा सिद्धांत एवं स्वरूप	1
2.	हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालखण्डों में दलित साहित्य की स्थिति	75
3.	हिन्दी कहानी साहित्य में दलित जीवन	164
4.	मराठी कहानी साहित्य	187
5.	गुजराती कहानी साहित्य	201
6.	पंजाबी दलित कहानी साहित्य	210
7.	तेलगु दलित कहानी साहित्य	219

नमूना SAMPLE

1

nfyr vo/kkj.kk fl)kr ,oa Lo:i

1-1 nfyr 'kCn dk vFk ,oa Lo:i

आज हमारे देश के लगभग सभी भाषा के साहित्य में 'दलित' शब्द को लेकर काफी चर्चा हो रही हैं। विशेषतः मराठी साहित्य के अन्तर्गत इस दलित संज्ञा ने विशेष स्थान पाया है और उसका महत्वपूर्ण अंग बनी हुई है। आज तक यह संज्ञा एक ही अर्थ या स्वरूप में प्रयुक्त नहीं हुई है। अनेक शब्द कोषों में इस दलित शब्द का अर्थ दिया गया हैं, इस आधार पर दलित शब्द के अर्थ पर प्रकाश डाला जा सकता हैं।

nfyr – ''दला हुआ, खंडित, विदीर्ण, कुचला हुआ, नष्ट किया हुआ।''[1]

nfyr& ''रौंदा, कुचला, दबाया हुआ, पादाक्रांत – हिन्दुओं में वे शूद्र जिन्हें अन्य जातियों के समान अधिकार प्राप्त नहीं हैं।''[2]

nfyr –"Ground, Broken or reduced to"[3]

Depressed - "dispirited or miserable, psychological suffering from depression"[4]

"Depressed area – Suffering from economic depression"[5]

Depressed – "दलित वर्ग, दबा हुआ, निराश, खिन्न, उदास।''[6]

दलित शब्द के शब्द कोषों में समाविष्ट अर्थ के आशयनुसार यह स्पष्ट हो जाता है कि उन कुचले हुए, विदीर्ण, शोषितों के जीवन की यह दास्ता

TEST SAMPLE